Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा-9वीं राजस्थान बोर्ड 2027

ARJUN BATCH

लोकतांत्रिक राजनीति

संस्थाओं का कामकाज

PARLIAMENT
LEGISLATURE
JUDICIARY
EXECUTIVE
PEOPLE

Rajasthan

Constitution
Democracy
Institutions
Citizens
Governance
India

CHAPTER 04 || PART - 05

23 सितंबर 2026 || 05:00 PM

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

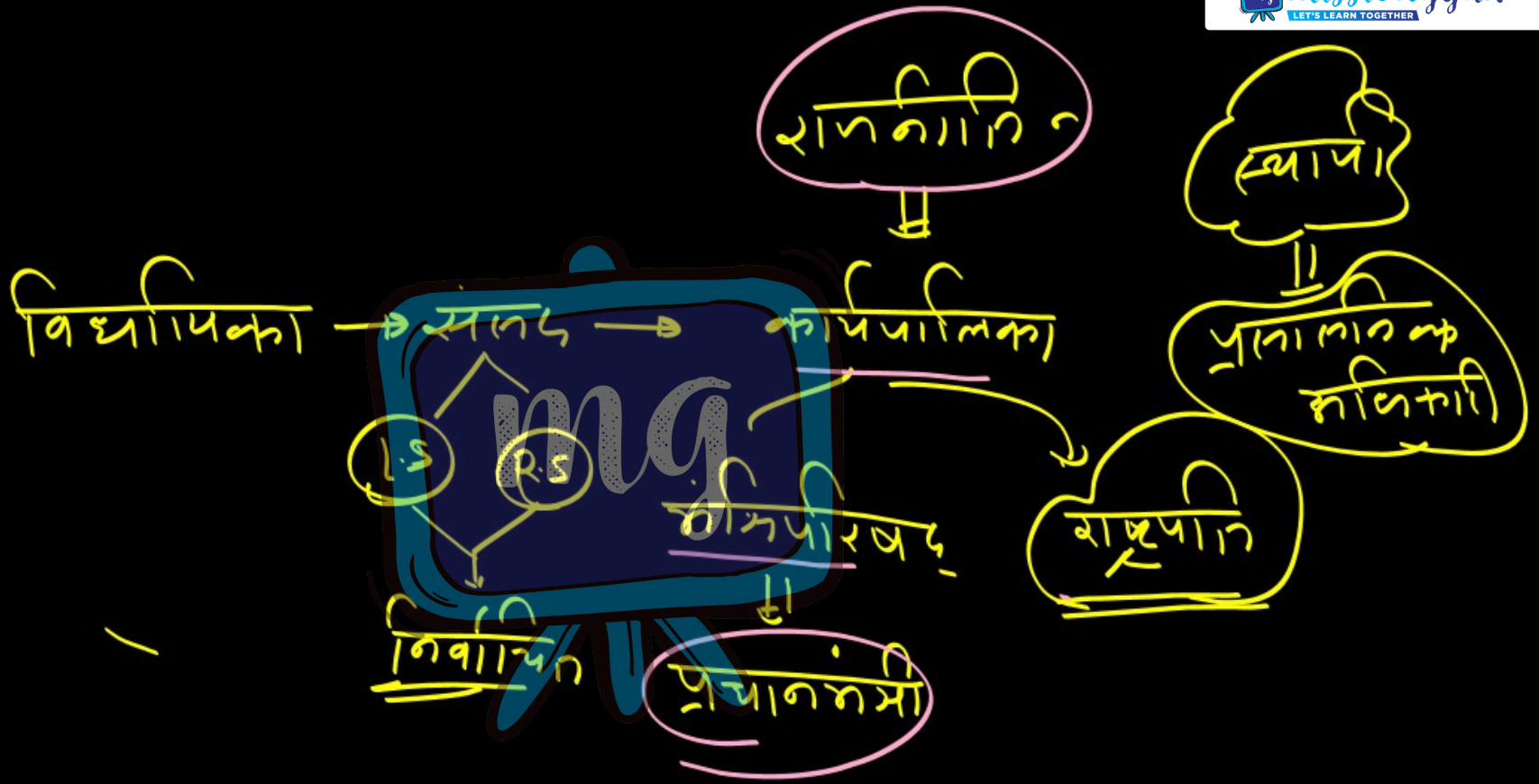
आज क्या पढ़ेंगे ?

1 राजनीतिक कार्यपालिका



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कार्यपालिका

राजनीतिक कार्यपालिका



स्थायी कार्यपालिका



प्रतिदिन के निर्णय लेने वाले पदाधिकारी, लेकिन जनता की ओर से सर्वोच्च शक्ति का प्रयोग नहीं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राजनीतिक कार्यपालिका

- एक निश्चित अवधि के लिए जनता द्वारा निर्वाचित।
- जनता की इच्छा का प्रतिनिधित्व और उसके प्रति उत्तरदायी।
- निर्वाचित प्रतिनिधि होने के कारण नीतिगत निर्णयों पर अंतिम अधिकार।
- सरकार बदलने पर पद से हटना।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

स्थायी कार्यपालिका अथवा सिविल सेवाएँ

- दीर्घकालीन आधार पर नियुक्ति, जिन्हें सिविल सेवक भी कहा जाता है।
- संबंधित क्षेत्रों का विशेषज्ञ ज्ञान एवं शिक्षा।
- दैनिक प्रशासन में राजनीतिक कार्यपालिका की सहायता।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों के कुशल क्रियान्वयन में महत्त्वपूर्ण भूमिका।
- सरकार बदलने के बाद भी पद पर बने रहना।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



प्रधानमंत्री की भूमिका

- सरकार का प्रमुख
- मंत्रिमंडल की बैठकों की अध्यक्षता
- अंतिम निर्णय
- सामान्य निरीक्षण
- मंत्रालयों का वितरण
- बहुमत दल का नेता

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. प्रधानमंत्री सरकार का प्रमुख और महत्त्वपूर्ण शक्तियों से संपन्न।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

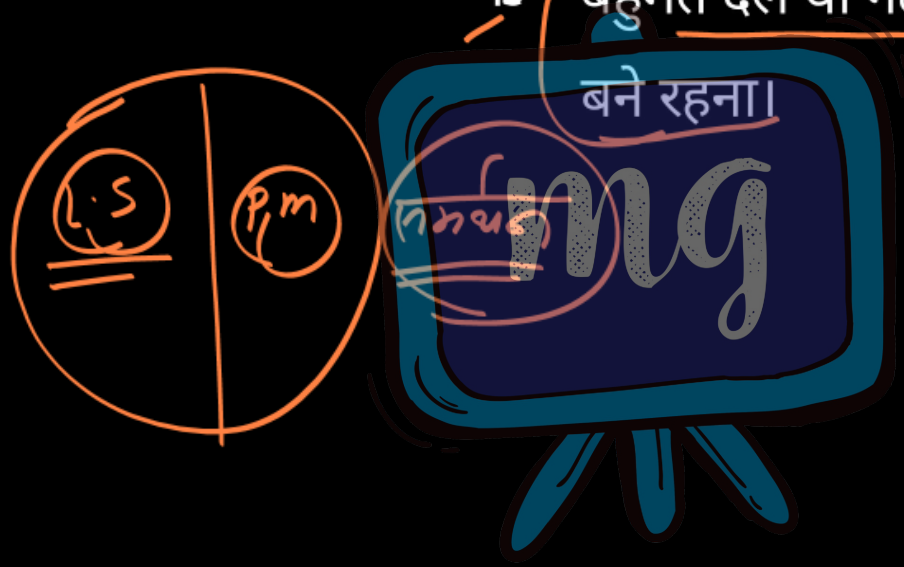
- राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री की नियुक्ति।
- सामान्यतः लोकसभा के बहुमत दल या गठबंधन के नेता की प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्ति।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- प्रधानमंत्री का कोई निश्चित कार्यकाल नहीं।
- बहुमत दल या गठबंधन का नेता बने रहने तक पद पर बने रहना।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. मंत्रिमंडल की बैठकों की अध्यक्षता और विभिन्न विभागों के कार्यों में समन्वय।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. विभागों के बीच असहमति की स्थिति में प्रधानमंत्री का निर्णय अंतिम।

4. मंत्रालयों पर प्रधानमंत्री का सामान्य निरीक्षण तथा सभी मंत्रियों का उनके नेतृत्व में कार्य।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5. मंत्रियों के बीच कार्यों के वितरण एवं पुनर्वितरण और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें पद से हटाने का अधिकार।

6. राजनीतिक दल के माध्यम से मंत्रिमंडल और संसद पर प्रधानमंत्री का नियंत्रण तथा प्रायः दल के नेता के रूप में पहचान।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ऐतिहासिक उदाहरण

जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी अत्यंत शक्तिशाली प्रधानमंत्री थे।





Under CSR Support by
ipca | Foundation

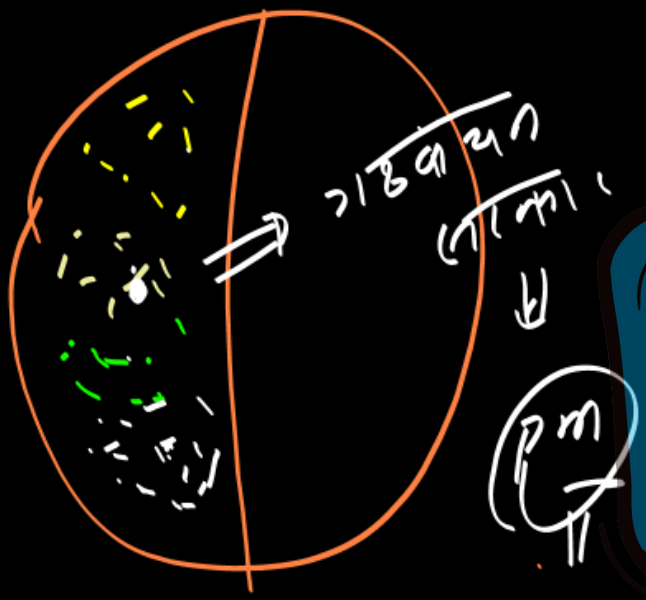
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

प्रधानमंत्री की शक्ति पर प्रतिबंध



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- हाल के वर्षों में गठबंधन की राजनीति के कारण प्रधानमंत्री की शक्ति पर प्रतिबंध।
- गठबंधन सरकार में प्रधानमंत्री द्वारा स्वतंत्र रूप से निर्णय लेना संभव नहीं।
- दल के भीतर तथा गठबंधन सहयोगियों के बीच विभिन्न समूहों और गुटों को साथ लेकर चलना आवश्यक।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मंत्रियों की नियुक्ति

- प्रधानमंत्री की नियुक्ति के बाद अन्य मंत्रियों की नियुक्ति प्रधानमंत्री की सलाह पर।
- सामान्यतः लोकसभा के बहुमत दल या गठबंधन से मंत्रियों का चयन।
- प्रधानमंत्री द्वारा मंत्रियों का चयन, जिनके लिए संसद का सदस्य होना आवश्यक।
- मंत्री नियुक्त किए गए गैर-सांसदों के लिए 6 महीने के भीतर निर्वाचित होना आवश्यक।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



मंत्रिपरिषद

- कैबिनेट मंत्री
  - महत्त्वपूर्ण मंत्रालय
- स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री
  - छोटे मंत्रालय
- राज्य मंत्री
  - कैबिनेट मंत्रियों की सहायता

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मंत्रिपरिषद

मंत्रिपरिषद में सभी मंत्रियों का समावेश, जिनकी संख्या सामान्यतः 60 से 80।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कैबिनेट मंत्री

- कैबिनेट मंत्री महत्वपूर्ण मंत्रालयों के लिए जिम्मेदार शीर्ष-स्तरीय नेता होते हैं।
- वे परिषद की ओर से निर्णय लेने के लिए बैठक करते हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

- स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री छोटे मंत्रालयों का कार्यभार संभालते हैं।
- आमंत्रित किए जाने पर वे कैबिनेट की बैठकों में भाग लेते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

राज्य मंत्री

राज्य मंत्री कैबिनेट मंत्रियों को उनके कार्यों में सहायता करते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कैबिनेट की भूमिका

- संसदीय लोकतंत्र को अक्सर कैबिनेट शासन प्रणाली के रूप में जाना जाता है।
- **कारण:**

  कैबिनेट द्वारा निर्णय सामूहिक रूप से लिए जाते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- कैबिनेट एक टीम के रूप में कार्य करती है और प्रत्येक निर्णय की जिम्मेदारी सभी सदस्य सामूहिक रूप से लेते हैं, भले ही उनके विचार अलग-अलग हों।
- मंत्री सरकार के निर्णयों की खुले तौर पर आलोचना नहीं कर सकते।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राष्ट्रपति

संघात्मक शासन व्यवस्था

सरकार का प्रमुख

राज्य का प्रमुख

प्रधानमंत्री



- राज्य के प्रमुख
- औपचारिक भूमिका

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

☛ राष्ट्रपति राज्य का प्रमुख, जबकि प्रधानमंत्री सरकार का प्रमुख।



राज्य का प्रमुख



सरकार का प्रमुख

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

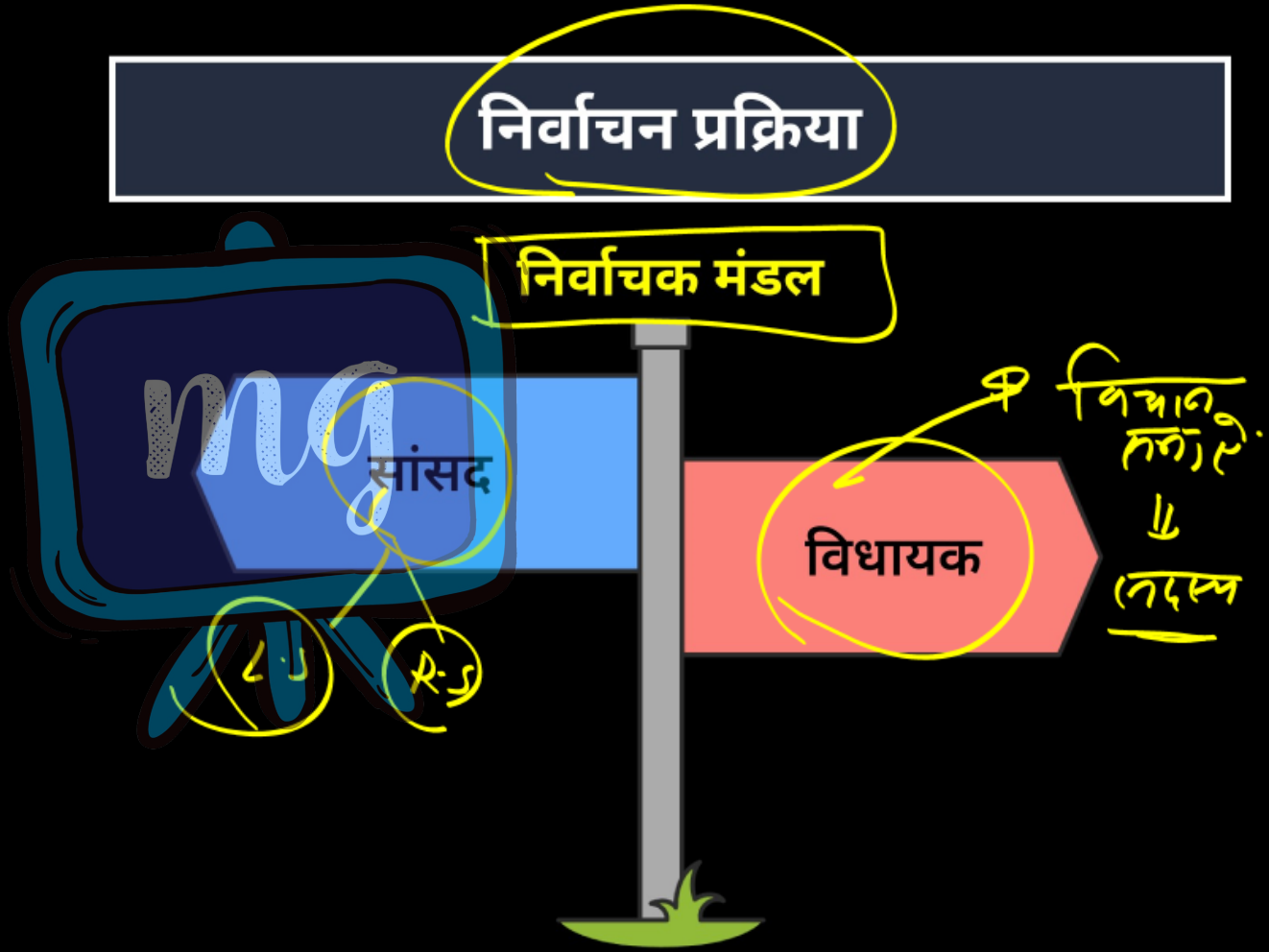
- राष्ट्रपति की भूमिका मुख्यतः औपचारिक।
- ब्रिटेन की महारानी के समान।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

निर्वाचन प्रक्रिया



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- राष्ट्रपति का जनता द्वारा प्रत्यक्ष निर्वाचन नहीं।
- निर्वाचित संसद सदस्यों (सांसदों) और विधानसभाओं के सदस्यों (विधायकों) द्वारा निर्वाचन।
- राष्ट्रपति बनने के लिए उम्मीदवार को बहुमत प्राप्त करना आवश्यक।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राष्ट्रपति की शक्तियाँ



- सभी सरकारी गतिविधियाँ
- प्रधानमंत्री की नियुक्ति
- विभिन्न व्यक्तियों की नियुक्ति
- अंतरराष्ट्रीय संधियाँ
- सर्वोच्च कमांडर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. सभी सरकारी गतिविधियों का राष्ट्रपति के नाम पर संचालन।

2. राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री की नियुक्ति, जो सामान्यतः लोकसभा के बहुमत दल या गठबंधन का नेता।

3. राष्ट्रपति द्वारा न्यायाधीशों, राज्यपालों और राजदूतों सहित विभिन्न अधिकारियों की नियुक्ति तथा भारत की रक्षा सेनाओं के सर्वोच्च कमांडर।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4. सभी अंतरराष्ट्रीय संधियाँ और समझौते राष्ट्रपति के नाम पर।

5. राष्ट्रपति भारत की रक्षा सेनाओं के ~~सर्वोच्च~~ सर्वोच्च कमांडर।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

☛ हालाँकि राष्ट्रपति द्वारा इन शक्तियों का प्रयोग केवल मंत्रिपरिषद की सलाह पर।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

शक्तियों की सीमाएँ

1. राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद को उसकी सलाह पर पुनर्विचार करने के लिए कह सकते हैं, लेकिन अंततः उसी सलाह के अनुसार कार्य करना आवश्यक।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

☛ संसद द्वारा पारित विधेयक राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद ही कानून बनते हैं। हालाँकि राष्ट्रपति:

2.
- ✧ स्वीकृति देने में विलंब कर सकते हैं।
- ✧ विधेयक को पुनर्विचार के लिए वापस भेज सकते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रधानमंत्री की नियुक्ति

- लोकसभा में किसी दल या गठबंधन को बहुमत प्राप्त न होने की स्थिति में बहुमत का समर्थन प्राप्त कर सकने वाले नेता को नियुक्त करने का विवेकाधिकार राष्ट्रपति के पास।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

10 नवनियुक्त प्रधानमंत्री को एक निश्चित अवधि के भीतर लोकसभा में बहुमत सिद्ध करने के लिए कहा जा सकता है।

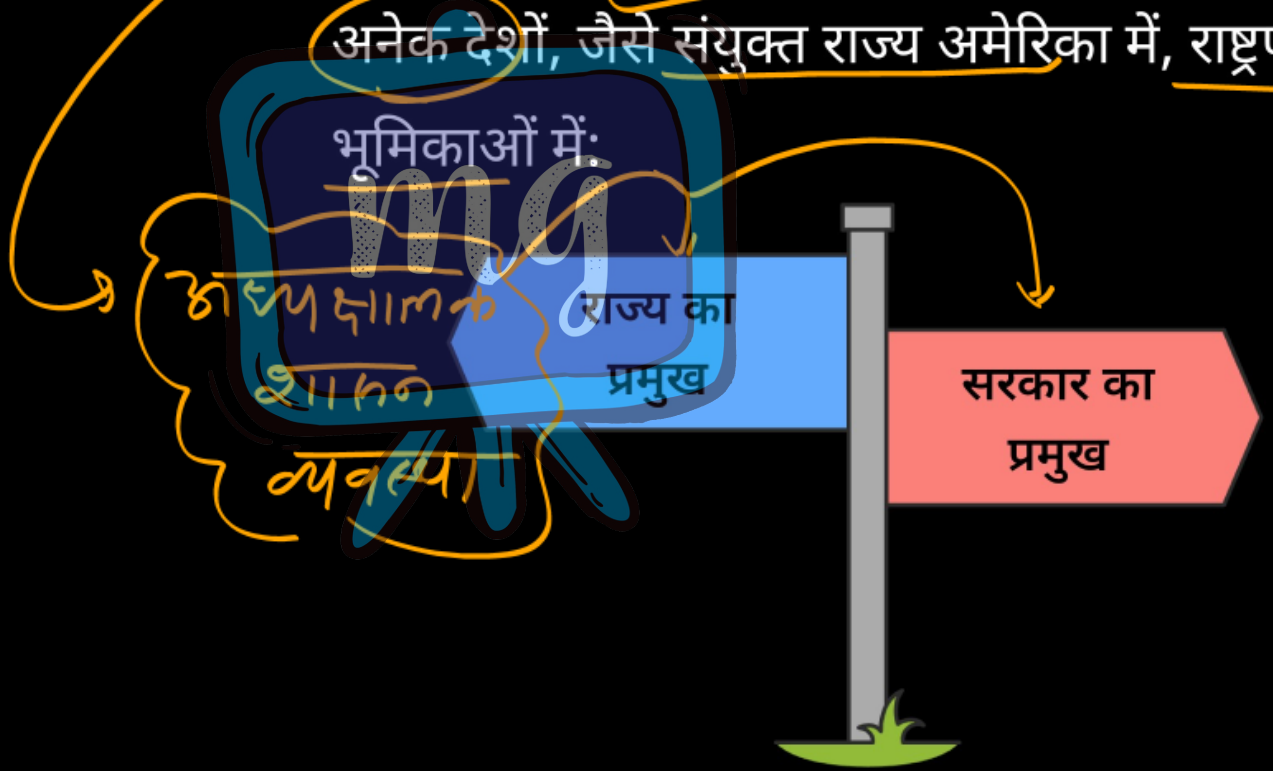


Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

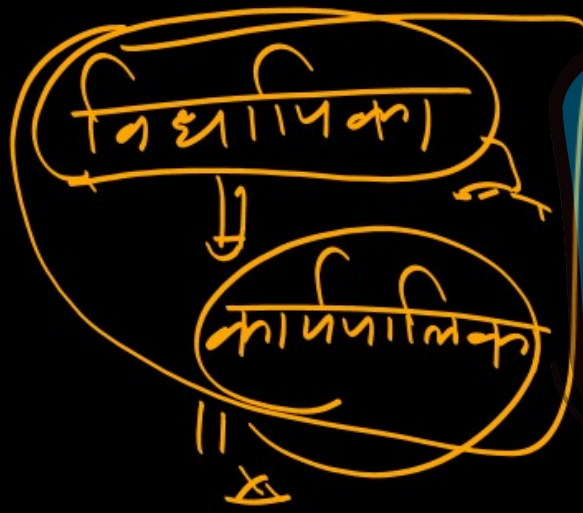
राष्ट्रपति शासन प्रणाली

अनेक देशों, जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका में, राष्ट्रपति दोनों भूमिकाओं में:



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- राष्ट्रपति का जनता द्वारा प्रत्यक्ष निर्वाचन।
- राष्ट्रपति द्वारा सभी मंत्रियों का व्यक्तिगत रूप से चयन और नियुक्ति।
- विधायिका द्वारा कानून निर्माण के बावजूद राष्ट्रपति के पास किसी भी कानून पर वीटो लगाने की शक्ति।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- राष्ट्रपति के लिए कांग्रेस में बहुमत का समर्थन आवश्यक नहीं और न ही उसके प्रति जवाबदेही।
- राष्ट्रपति का निश्चित कार्यकाल 4 वर्ष तथा कांग्रेस में अपने दल का बहुमत न होने पर भी कार्यकाल पूरा करना।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत के साथ तुलना

विशेषता	राष्ट्रपति शासन प्रणाली (अमेरिका)	संसदीय शासन प्रणाली (भारत)
राष्ट्रपति की शक्ति	महत्त्वपूर्ण कार्यकारी शक्तियाँ	मुख्यतः नाममात्र की कार्यपालिका
राष्ट्रपति का निर्वाचन	जनता द्वारा प्रत्यक्ष निर्वाचन	विधायिका द्वारा निर्वाचन

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

न्यायपालिका

- न्यायपालिका से आशय देश के सभी न्यायालयों से।
- इसमें शामिल:
  - सर्वोच्च न्यायालय
  - उच्च न्यायालय
  - जिला न्यायालय
  - स्थानीय न्यायालय



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारतीय न्यायपालिका की संरचना		
स्तर	**न्यायालय**	**विवरण**
राष्ट्रीय	सर्वोच्च न्यायालय	भारत का सर्वोच्च न्यायालय; संपूर्ण न्यायिक व्यवस्था का निरीक्षण
राज्य	उच्च न्यायालय	राज्य स्तर का सर्वोच्च न्यायालय
जिला	जिला न्यायालय	प्रत्येक जिले में स्थित; विभिन्न दीवानी एवं आपराधिक मामलों की सुनवाई
स्थानीय	अधीनस्थ न्यायालय	सबसे निचले स्तर के न्यायालय; छोटे मामलों की सुनवाई

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

☛ सर्वोच्च न्यायालय किसी भी विवाद की सुनवाई कर सकता है।

1. देश के नागरिकों के बीच
2. नागरिकों और सरकार के बीच
3. दो या अधिक राज्य सरकारों के बीच
4. संघ और राज्य स्तर की सरकारों के बीच

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- सर्वोच्च न्यायालय दीवानी और आपराधिक मामलों का सर्वोच्च अपीलीय न्यायालय।
- उच्च न्यायालयों के निर्णयों के विरुद्ध अपील की सुनवाई का अधिकार।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

एकीकृत न्यायपालिका

- भारत की न्यायपालिका एकीकृत।
- सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पूरे देश के न्यायिक प्रशासन का निरीक्षण तथा उसके निर्णय अन्य सभी न्यायालयों पर बाध्यकारी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

न्यायपालिका की स्वतंत्रता

- न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका से स्वतंत्र।
- न्यायाधीशों द्वारा सरकार के निर्देश पर कार्य नहीं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के उपाय



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नियुक्ति

- सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की नियुक्ति:
  - राष्ट्रपति द्वारा नियुक्ति
  - प्रधानमंत्री की सलाह पर
  - मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

पद से हटाना

किसी न्यायाधीश को संसद के दोनों सदनों में 2/3 बहुमत से पारित महाभियोग प्रस्ताव के माध्यम से ही पद से हटाया जा सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

न्यायपालिका की शक्तियाँ

- भारत की न्यायपालिका विश्व की सबसे शक्तिशाली न्यायपालिकाओं में से एक है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

☛ सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों को निम्न अधिकार प्राप्त हैं–



संविधान का उल्लंघन करने वाले कानूनों या कार्यपालिका के कार्यों को अमान्य घोषित करना

न्यायिक समीक्षा के माध्यम से नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- यदि सरकार की कार्रवाई से जनहित प्रभावित होता है, तो कोई भी व्यक्ति जनहित याचिका (PIL) के माध्यम से न्यायालय जा सकता है।

